

एक वैश्वीकृत विश्व का निर्माण

सम्पूर्ण पुनरावृत्ति भागदर्शिका एवं प्रश्न बैंक — हिन्दी माध्यम

30 बहुविकल्पीय प्रश्न 20 रचित स्थान स्तम्भ मलिन 20 बार-बार पूछे जाने वाले प्रश्न लघु उत्तरीय प्रश्न 10 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

शिक्षक: ओम सकिरवार

वेबसाइट: .

माध्यम: हिन्दी

अध्याय की झलक

खण्ड 1	प्राचीन विश्व — रेशम मार्ग, भोजन की यात्रा, रोग एवं वजिय
खण्ड 2	19वीं सदी — व्यापार, श्रम, पूँजी; रनिडरपेस्ट; अनुबंध श्रम
खण्ड 3	अन्तरयुद्ध अर्थव्यवस्था — , महामंदी, सामूहिक उत्पादन
खण्ड 4	युद्धोत्तर युग — ब्रेटन वुड्स, उपनिवेशवाद से मुक्ति, आधुनिक वैश्वीकरण

खण्ड अ — बहुविकल्पीय प्रश्न ()

प्रत्येक प्रश्न के लिए सबसे उचित उत्तर चुनिए। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।

1. रेशम मार्गों () का उपयोग मुख्य रूप से किस लिए किया जाता था?

- अ) केवल सैन्य अभियानों के लिए
- ब) व्यापार, वजारों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए
- स) यूरोपीय लोगों के प्रवासन के लिए
- द) केवल ईसाई धर्म फैलाने के लिए

उत्तर: ब) व्यापार, वजारों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए

2. आलू, टमाटर और मरिच मूल रूप से किस महाद्वीप से आए?

- अ) एशिया
- ब) अफ्रीका
- स) अमेरिका
- द) यूरोप

उत्तर: स) अमेरिका

3. किस बीमारी ने स्पेनशि वजिताओं को अमेरिकी भारतीयों पर वजिय पाने में मदद की?

- अ) हैजा
- ब) प्लेग
- स) मलेरिया
- द) चेचक ()

उत्तर: द) चेचक ()

4. 19वीं सदी की अर्थव्यवस्था में तीन मुख्य 'प्रवाह' () कौन से थे?

- अ) सोना, चाँदी, काँसा
- ब) व्यापार, श्रम, पूँजी
- स) जहाज, रेलवे, टेलीग्राफ
- द) भोजन, वस्त्र, आश्रय

उत्तर: ब) व्यापार, श्रम, पूँजी

5. ब्रिटन में मकई कानून () समाप्त किए गए ताकि:

- अ) ब्रिटिश किसानों की रक्षा हो
- ब) सस्ते खाद्य पदार्थों का आयात हो सके
- स) सैन्य खर्च बढ़े
- द) ऊन के व्यापार को बढ़ावा मिले

उत्तर: ब) सस्ते खाद्य पदार्थों का आयात हो सके

6. रन्डरपेस्ट () किस चीज़ को प्रभावित करने वाली बीमारी थी?

- अ) गेहूँ की फसल

- ब) कपास के पौधे
- स) पशुधन (मवेशी)
- द) मनुष्य

उत्तर: स) पशुधन (मवेशी)

7. 19वीं सदी में भारतीय अनुबंध मजदूर () मुख्यतः कहाँ गए?

- अ) चीन और जापान
- ब) अमेरिका और कनाडा
- स) कैरबियन द्वीप, मॉरीशस, फ़िजी
- द) केवल दक्षिण अफ़्रीका

उत्तर: स) कैरबियन द्वीप, मॉरीशस, फ़िजी

8. भारतीय अनुबंध मजदूरों के वंशज कौन से प्रसिद्ध साहित्यकार हैं?

- अ) रवींद्रनाथ टैगोर
- ब) वी. एस. नायपॉल
- स) सलमान रुश्दी
- द) अरुंधति रॉय

उत्तर: ब) वी. एस. नायपॉल

9. अनुबंध श्रम प्रणाली () किस वर्ष समाप्त की गई?

- अ) 1905
- ब) 1914
- स) 1921
- द) 1947

उत्तर: स) 1921

10. हेनरी फोर्ड किसके लिए प्रसिद्ध थे?

- अ) भाप इंजन के लिए
- ब) असेम्बली लाइन और सामूहिक उत्पादन के लिए
- स) प्रशीतित जहाजों के लिए
- द) टेलीग्राफ के लिए

उत्तर: ब) असेम्बली लाइन और सामूहिक उत्पादन के लिए

11. महामंदी () किस वर्ष शुरू हुई?

- अ) 1914
- ब) 1921
- स) 1929
- द) 1939

उत्तर: स) 1929

12. ब्रेटन वुड्स सम्मेलन () किस वर्ष हुआ?

- अ) 1939
- ब) 1941
- स) 1944
- द) 1950

उत्तर: स) 1944

13. ब्रेटन वुड्स सम्मेलन में कौन से दो संस्थान स्थापित किए गए?

- अ) और
- ब) और विश्व बैंक
- स) और
- द) और

उत्तर: ब) और विश्व बैंक

14. ब्रेटन वुड्स प्रणाली में 1 औंस सोने की कीमत कितने डॉलर थी?

- अ) 10
- ब) 25
- स) 35
- द) 50

उत्तर: स) 35

15. 1950-1970 के बीच विश्व व्यापार लगभग किस दर से बढ़ा?

- अ) 2% प्रतिवर्ष
- ब) 5% प्रतिवर्ष
- स) 8% प्रतिवर्ष
- द) 12% प्रतिवर्ष

उत्तर: स) 8% प्रतिवर्ष

16. विकासशील देशों के उस समूह का क्या नाम था जिसने नई अंतरराष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था की माँग की?

- अ) -8
- ब) -20
- स) -77
- द) -7

उत्तर: स) -77

17. प्रशीतित जहाजों () ने किस उत्पाद के व्यापार में क्रांति ला दी?

- अ) रेशम
- ब) अनाज
- स) माँस
- द) मसाले

उत्तर: स) माँस

18. 1885 में बर्लिन सम्मेलन किस विषय पर हुआ था?

- अ) समाप्त करने के लिए
 - ब) अफ्रीका को यूरोपीय शक्तियों में बाँटने के लिए
 - स) राष्ट्र संघ बनाने के लिए
 - द) स्वरूपमान लागू करने के लिए
- उत्तर: ब) अफ्रीका को यूरोपीय शक्तियों में बाँटने के लिए**

19. मकई कानूनों () से पहले ब्रिटिश ज़मींदार उन्हें बनाए रखना चाहते थे क्योंकि:

- अ) भारत के साथ व्यापार खुलता
 - ब) घरेलू खाद्य कीमतें ऊँची रहती
 - स) कृषिकर कम होते
 - द) प्रवास को प्रोत्साहन मिलता
- उत्तर: ब) घरेलू खाद्य कीमतें ऊँची रहती**

20. 1923 तक विश्व का सबसे बड़ा वदेशी ऋणदाता () कौन सा देश बन गया था?

- अ) ब्रिटन
 - ब) फ्रांस
 - स) जर्मनी
 - द) अमेरिका ()
- उत्तर: द) अमेरिका ()**

21. 1840 के दशक में आयरलैंड में अकाल क्यों पड़ा?

- अ) भयंकर सूखे के कारण
 - ब) आलू की फसल में बीमारी के कारण
 - स) ब्रिटन के साथ युद्ध के कारण
 - द) अधिक कर लगाए जाने के कारण
- उत्तर: ब) आलू की फसल में बीमारी के कारण**

22. त्रिनिदाद में 'होसय' () त्योहार किस भारतीय परंपरा से विकसित हुआ?

- अ) दीपावली
 - ब) मुहर्रम जुलूस
 - स) होली
 - द) ईद
- उत्तर: ब) मुहर्रम जुलूस**

23. 19वीं सदी में भारत का व्यापार अधीशेष () मुख्यतः किसके काम आया?

- अ) भारतीय किसानों को सीधे
- ब) ब्रिटन के वैश्विक व्यापार घाटे को पूरा करने के लिए
- स) भारतीय रेलवे बनाने के लिए
- द) भारतीय उद्योग विकसित करने के लिए

उत्तर: ब) ब्रिटन के वैश्विक व्यापार घाटे को पूरा करने के लिए

24. 'चटनी म्यूज़िक' () किस सांस्कृतिक मशहूर का उदाहरण है?

- अ) पश्चिम अफ्रीका
- ब) इंडो-कैरिबियन समुदाय
- स) ऑस्ट्रेलिया
- द) मॉरीशस

उत्तर: ब) इंडो-कैरिबियन समुदाय

25. महामंदी के दौरान बंगाल के किस किसान वर्ग को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ?

- अ) कपास किसान
- ब) चाय किसान
- स) जूट किसान
- द) नील किसान

उत्तर: स) जूट किसान

26. ब्रेटन वुड्स नशुक्ति वनिमिय दर प्रणाली कुंओ ध्वस्त हुई?

- अ) चीन की आर्थिक वृद्धि के कारण
- ब) महामंदी के कारण
- स) अमेरिका के वदिशी खर्चों से डॉलर कमजोर होने के कारण
- द) भारत की स्वतंत्रता के कारण

उत्तर: स) अमेरिका के वदिशी खर्चों से डॉलर कमजोर होने के कारण

27. 19वीं सदी में लंबी दूरी पर नाशवान खाद्य परिवहन में कौन सा आविष्कार सबसे महत्वपूर्ण था?

- अ) भाप इंजन
- ब) टेलीग्राफ
- स) जहाजों में प्रशीतन ()
- द) नहर प्रणाली

उत्तर: स) जहाजों में प्रशीतन ()

28. 1800 से 1870 के बीच भारत का सूती वस्त्र निर्यात में हसिसा 30% से घटकर लगभग कतिना रह गया?

- अ) 20%
- ब) 10%
- स) 3% से भी कम
- द) 5%

उत्तर: स) 3% से भी कम

29. द्वितीय विश्वयुद्ध में लगभग कतिने लोग मारे गए?

- अ) 9 मिलियन
- ब) 20 मिलियन
- स) 40 मिलियन

द) 60 मलियन

उत्तर: द) 60 मलियन

30. 'अस्थायी वनिमिय दर' () का सबसे सही अर्थ क्या है?

अ) सरकार द्वारा स्थायी रूप से नरिधारति दर

ब) द्वारा प्रतविर्ष नरिधारति दर

स) बाज़ार की माँग और आपूर्तद्वारा नरिधारति दर

द) केवल सोने के भंडार पर आधारति दर

उत्तर: स) बाज़ार की माँग और आपूर्तद्वारा नरिधारति दर

खण्ड ब — रचित स्थान भरिए

प्रत्येक रचित स्थान में सही शब्द या वाक्यांश भरिए। उत्तर कोष्ठक में दिए गए हैं।

1. एशिया, यूरोप और उत्तरी अफ्रीका को जोड़ने वाले प्राचीन व्यापार मार्गों को _____ कहा जाता था।
उत्तर: रेशम मार्ग ()
2. क्रिस्टोफर कोलंबस की यात्राओं के बाद आलू, टमाटर और मरिच _____ से यूरोप और एशिया पहुँचे।
उत्तर: अमेरिका
3. स्पेनिसि वजिताओं ने अमेरिकी मूल निवासियों को बंदूकों से नहीं बल्कि _____ वायरस से हराया।
उत्तर: चेचक ()
4. 19वीं सदी की अर्थव्यवस्था के तीन मुख्य प्रवाह थे — व्यापार, श्रम और _____।
उत्तर: पूँजी ()
5. ब्रिटन में _____ वे कानून थे जो सस्ते विदेशी अनाज के आयात पर रोक लगाते थे।
उत्तर: मर्केंट कानून ()
6. 1890 के दशक में _____ नामक पशु रोग ने अफ्रीका के लगभग 90% मवेशियों को मार दिया।
उत्तर: रन्डिपरपेस्ट ()
7. जो भारतीय मजदूर 5 साल के अनुबंध पर विदेश जाते थे, उन्हें _____ मजदूर कहा जाता था।
उत्तर: गरिमटिया / अनुबंध ()
8. हेनरी फोर्ड ने _____ प्रणाली की शुरुआत करके कारों का सस्ता और बड़े पैमाने पर उत्पादन किया।
उत्तर: असेम्बली लाइन ()
9. महामंदी () वर्ष _____ में शुरू हुई।
उत्तर: 1929
10. 1944 के ब्रेटन वुड्स सम्मेलन में और _____ की स्थापना हुई।
उत्तर: विश्व बैंक ()
11. ब्रेटन वुड्स प्रणाली में एक औंस सोने की कीमत _____ अमेरिकी डॉलर निर्धारित की गई थी।
उत्तर: 35
12. 77 विकासशील देशों के समूह ने _____ की माँग की।
उत्तर: नई अंतरराष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था ()
13. प्रशीतित जहाजों की वजह से न्यूजीलैंड और अर्जेंटीना से सस्ते दामों में _____ यूरोप भेजा जा सका।
उत्तर: माँस ()
14. नोबेल पुरस्कार विजेता _____ भारतीय गरिमटिया मजदूरों के वंशज हैं।
उत्तर: वी. एस. नायपॉल
15. 1840 के दशक में आयरलैंड में लाखों लोग इसलिए मरे क्योंकि वे पूरी तरह _____ पर निर्भर थे।
उत्तर: आलू

16. अनुबंध श्रम प्रणाली वर्ष _____ में समाप्त की गई।

उत्तर: 1921

17. 1950-1970 के दौरान विश्व व्यापार प्रतर्विष लगभग _____ प्रतिशत की दर से बढ़ा।

उत्तर: 8

18. महामंदी के दौरान बंगाल के जूट किसानों की कच्चे जूट की कीमत _____ से भी अधिक गरि गई।

उत्तर: 60%

19. 1885 की बर्लिन बैठक में यूरोपीय उपनिवेशी शक्तियों ने _____ को आपस में बाँट लिया।

उत्तर: अफ्रीका

20. ब्रेटन वुड्स की निश्चिती वनिमिय दर प्रणाली के टूटने के बाद देशों ने _____ वनिमिय दर अपनाई।

उत्तर: अस्थायी / मुक्त ()

खण्ड स — स्तम्भ 'अ' का स्तम्भ 'ब' से मलिन कीजिए

स्तम्भ 'अ' के प्रत्येक बटु को स्तम्भ 'ब' के सही बटु से मललडए।

स्तम्भ अ	स्तम्भ ब
1. रेशम मरुग ()	अ. और वशुव बैक की सुथरपनर
2. चेकक ()	ब. एशरर, यूरोप और अफूरीकर को जोडने वरलर डूररकीन मररुग
3. मकई करनून ()	स. 1890 के दशक मे अफूरीकी डशुधन को तबरह करने वरलर रोग
4. रनूडरडेसूट ()	द. सुडेनशर वरूजेतरओ कर जैवकल हथडरर
5. हेनरी डोरूड ()	ड. की मरूंग करने वरले वकरसरशील देशओ कर समूह
6. वी. एस. नरडडरू	ड. डररतीड मकडूरु के वंशक नुडेल वरूजेतर सरहतुडकर
7. डुरेडन वुडूस (1944)	ग. असेडुडली लरडन और सरमूहकल उतुडरदन
8. -77	ह. ससूते अनरक के आडरत डर रोक लगरने वरले डूरतलश करनून
9. गरलडरतुडर शूरुड	ड. 5 सरल के अनुडंध डर करड — 'नई गुलरमी'
10. डररडंडी ()	क. 1929 — वशुववुडरडी आरूथकल संकड

उनुतर:

1ड | 2द | 3ह | 4स | 5ग | 6ड | 7अ | 8ड | 9ड | 10क

खण्ड द — बार-बार पूछे जाने वाले प्रश्न ()

ये प्रश्न बोर्ड परीक्षाओं में सबसे अधिक पूछे जाते हैं। प्रत्येक उत्तर को ध्यान से पढ़िए — भाषा सरल और स्पष्ट रखी गई है।

प्र.1. रेशम मार्ग क्या थे? वे क्यों महत्वपूर्ण थे?

रेशम मार्ग प्राचीन व्यापारिक पथों का एक जाल था जो एशिया, यूरोप और उत्तरी अफ्रीका को आपस में जोड़ता था। ये मार्ग ईसाई युग से भी पहले अस्तित्व में थे और 15वीं सदी तक सक्रिय रहे। इन मार्गों पर केवल माल ही नहीं, बल्कि बौद्ध मठिनरी, मुस्लिमि प्रचारक, उनके विचार, धर्म और दुर्भाग्यवश बीमारियाँ भी फैलती थीं। भारत इन मार्गों का एक महत्वपूर्ण केंद्र था — एक तरफ अरब और रोम, दूसरी तरफ दक्षिण-पूर्व एशिया और चीन।

प्र.2. प्राचीन काल में खाद्य पदार्थ विश्व भर में कैसे फैले?

खाद्य पदार्थ व्यापार मार्गों और समुद्री यात्राओं के ज़रिए विश्वभर में फैले। उदाहरण के लिए नूडल्स चीन से इटली पहुँचकर स्पेगेटी बन गए। सबसे बड़ा परिवर्तन क्रिस्टोफर कोलंबस के बाद आया — आलू, टमाटर, मर्च, मूंगफली, मक्का और सोयाबीन अमेरिका से यूरोप और एशिया पहुँचे। इससे पहले यूरोपीय लोगों ने आलू कभी देखा तक नहीं था!

प्र.3. यूरोपीय वज्रिताओं ने बीमारी का उपयोग किस प्रकार किया?

जब यूरोपीय वज्रिता अमेरिका पहुँचे तो वे अपने साथ चेचक जैसी बीमारियाँ लाए। अमेरिकी मूल निवासी सदियों से एकांत में रहे थे, इसलिए उनमें इन रोगों के विरुद्ध कोई प्रतिरक्षक शक्ति नहीं थी। चेचक ने पूरी-की-पूरी बस्तियाँ उजाड़ दीं। स्पेनिश वज्रिता इस बीमारी से काफी हद तक सुरक्षित थे, इसलिए उन्हें नरिणायक लाभ मिला। यही इतिहासकार 'जैविक युद्ध' () कहते हैं।

प्र.4. 19वीं सदी की अर्थव्यवस्था के तीन प्रवाहों को समझाइए।

तीन मुख्य प्रवाह थे — (1) व्यापार: गेहूँ, कपास और कोयले जैसे माल की आवाजाही; (2) श्रम: रोजगार की तलाश में लोगों का एक देश से दूसरे देश जाना — जैसे यूरोपीय अमेरिका गए या भारतीय मजदूर कैरिबियन गए; (3) पूँजी: निवेश के लिए धन का प्रवाह — जैसे लंदन के बैंकों ने अर्जेंटीना और भारत में रेलवे बनाने के लिए पैसा लगाया। ये तीनों प्रवाह आपस में गहराई से जुड़े थे।

प्र.5. ब्रिटन में मकई कानून क्या थे? इनके समाप्त होने के क्या परिणाम हुए?

मकई कानून ऐसे ब्रिटिश कानून थे जो सस्ते विदेशी अनाज के आयात पर रोक लगाते थे। ब्रिटिश ज़मींदारों ने सरकार पर दबाव डाला ताकि घरेलू अनाज की कीमतें ऊँची रहें। जब ये कानून समाप्त हुए तो अमेरिका, रूस और ऑस्ट्रेलिया से सस्ता अनाज आने लगा। मजदूरों के लिए खाना सस्ता हुआ, लेकिन ब्रिटिश किसान प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाए। लाखों लोग शहरों की ओर चले गए या विदेश प्रवास कर गए।

प्र.6. रन्डरपेस्ट क्या था? इसने अफ्रीका को कैसे प्रभावित किया?

रन्डरपेस्ट 1890 के दशक में अफ्रीका में फैलने वाली एक पशु महामारी थी। यह ब्रिटिश एशिया से संक्रमित मवेशियों के साथ पूर्वी अफ्रीका पहुँची। मात्र पाँच वर्षों में यह पूरे अफ्रीका में फैल गई और लगभग 90% मवेशी मर गए। अफ्रीकी लोगों की आजीविका मवेशियों पर निर्भर थी। उपनिवेशी नियोक्ताओं ने इस संकट का फायदा उठाया — भारी कर लगाए जो केवल वेतन श्रम से चुकाए जा सकते थे, जिससे अफ्रीकियों को मजबूरन काम करना पड़ा।

प्र.7. गरिमटिया मजदूर प्रणाली क्या थी? इसे 'नई गुलामी' क्यों कहा गया?

गरिमटिया मजदूर प्रणाली एक अनुबंध-आधारित श्रम व्यवस्था थी। मुख्यतः पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य भारत और तमलिनाडु के गरीब मजदूरों को एजेंटों द्वारा 5 साल के अनुबंध पर कैरिबियन, मॉरीशस, फिजी और मलाया के बागानों में भेजा जाता था। काम की वास्तविक स्थितियाँ बहुत कठोर थीं, अधिकार नाममात्र थे और एजेंट अक्सर झूठे वादे करते थे। इसीलिए इतिहासकारों ने इसे 'नई गुलामी' कहा। यह प्रणाली 1921 में समाप्त हुई।

प्र.8. हेनरी फोर्ड ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था में क्या योगदान दिया?

हेनरी फोर्ड ने अपने डेट्रॉइट कारखाने में असेम्बली लाइन प्रणाली शुरू की। श्रमिक एक ही काम बार-बार करते थे और हर तीन मिनट में एक कार तैयार होती थी। मजदूरों को रोकने के लिए फोर्ड ने 1914 में दैनिक वेतन दोगुना कर 5 कर दिया। इस सामूहिक उत्पादन ने कारों को सस्ता बनाया। 1929 तक 50 लाख से अधिक कारें बनने लगीं। रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन और रेडियो भी कश्तों पर मलिन लगे जसिसे एक बड़ी उपभोक्ता क्रांति आई।

प्र.9. महामंदी (1929) के क्या कारण थे और इसके क्या प्रभाव पड़े?

महामंदी के मुख्य कारण थे — कृषि में अत्यधिक उत्पादन जसिसे कीमते गरीं, अमेरिका द्वारा यूरोप से अपने ऋण वापस लेना जसिसे यूरोपीय बैंक डूब गए, और ब्रिटिश पाउंड का ध्वस्त होना। अमेरिका में 4000 से अधिक बैंक 1933 तक बंद हो गए, 1,10,000 कंपनियों दवालिया हुईं और लाखों लोगों ने घर-खेत सब खो दिए। विश्व व्यापार आधा रह गया। यह आधुनिक इतिहास का सबसे भीषण आर्थिक संकट था।

प्र.10. महामंदी ने भारत को कैसे प्रभावित किया?

भारत एक उपनिवेशी अर्थव्यवस्था था जो कृषि उत्पाद निर्यात करती थी। 1928-1934 के बीच भारत के आयात और निर्यात दोनों लगभग आधे हो गए। गेहूँ की कीमते 50% गरी गईं। बंगाल के जूट किसानों की कच्चे जूट की कीमत 60% से अधिक गरी गई। उपनिवेशी सरकार ने लगान कम नहीं किया। भारत का सोना ब्रिटेन की रकवरी में काम आया, पर भारतीय किसानों को कोई फायदा नहीं मिला। 1931 में गाँधीजी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू किया।

प्र.11. ब्रेटन वुड्स सम्मेलन (1944) के मुख्य परिणाम क्या थे?

जुलाई 1944 में 44 देशों के प्रतिनिधि ब्रेटन वुड्स, न्यू हैम्पशायर में मलिन। मुख्य परिणाम थे — (1) की स्थापना: व्यापार असंतुलन को नियंत्रित करने के लिए; (2) विश्व बैंक की स्थापना: युद्धोत्तर पुनर्निर्माण के वित्तपोषण के लिए; (3) निश्चित विनिमय दर प्रणाली: सभी राष्ट्रीय मुद्राएँ अमेरिकी डॉलर से और डॉलर सोने से (35 डॉलर प्रति औंस) जुड़ा। अमेरिका को दोनों संस्थाओं में प्रभावी 'वीटो पावर' प्राप्त थी।

प्र.12. 1950-1970 के दौर को 'स्वर्ण युग' क्यों कहते हैं?

इस काल को 'स्वर्ण युग' इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसमें असाधारण आर्थिक वृद्धि हुई। विश्व व्यापार प्रतिवर्ष 8% की दर से बढ़ा। आय लगभग 5% सालाना बढ़ी। अधिकांश औद्योगिक देशों में बेरोजगारी 5% से कम रही। पश्चिमी देशों में जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ। यह स्थिरता और समृद्धिका दौर ब्रेटन वुड्स प्रणाली की देन था जसिने स्थिर विनिमय दरें और सरकारी हस्तक्षेप को संभव बनाया।

प्र.13. -77 कौन था और उसने क्या माँगे की?

-77 यानी '77 देशों का समूह' हाल ही में स्वतंत्र हुए विकासशील देशों का संगठन था। उनका मानना था कि और विश्व बैंक औद्योगिक देशों के लिए बने हैं और उनकी जरूरतें पूरी नहीं करते। -77 ने 'नई अंतरराष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था' () की माँग की। इसमें शामिल था — प्राकृतिक संसाधनों पर वास्तविक नियंत्रण, कच्चे माल के उचित मूल्य, विकास सहायता और विकास देशों के बाजारों तक बेहतर पहुँच।

प्र.14. 19वीं सदी में प्रौद्योगिकी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को कैसे बदला?

तीन प्रौद्योगिकियाँ सबसे महत्वपूर्ण रही। रेलवे ने खेतों को बंदरगाहों से जोड़ा और बड़ी मात्रा में अनाज सस्ते में ढोना संभव किया। भाप से चलने वाले जहाजों ने समुद्री यात्रा को तेज और सस्ता बनाया। प्रशीतित जहाजों ने माँस और दूसरे नाशवान पदार्थों को लंबी दूरी तक बिना खराब हुए भेजना संभव किया — जिससे यूरोप के गरीब भी माँस खाने लगे। टेलीग्राफ ने व्यापारियों को तत्काल संचार की सुविधा दी।

प्र.15. 19वीं सदी की वैश्विक व्यापार व्यवस्था में भारत की क्या भूमिका थी?

भारत का ब्रिटन के साथ व्यापार अधःशेष () था — वह ब्रिटन से अधिक निर्यात करता था। यह अधःशेष ब्रिटन के काम आता था — ब्रिटन इससे अन्य देशों के साथ अपने व्यापार घाटे को पूरा करता था। भारत का अधःशेष ब्रिटिश अधिकारियों के वेतन और 'होम चार्जेस' चुकाने में भी काम आता था। बिना भारत के ब्रिटन की वैश्विक आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर होती।

प्र.16. '16वीं सदी में दुनिया सिकुड़ गई' — इसका क्या अर्थ है?

जब इतिहासकार कहते हैं 'दुनिया सिकुड़ गई' तो इसका मतलब यह है कि भौतिक दूरियाँ कम महत्वपूर्ण हो गईं क्योंकि यात्रा और संचार तेज हो गई। 16वीं सदी में यूरोपीय नाविकों ने एशिया का समुद्री मार्ग खोजा और अटलांटिक पार करके अमेरिका पहुँचे। अब माल, लोग और विचार ऐसे महाद्वीपों के बीच आ-जा सकते थे जो पहले लगभग अलग-थलग थे। दुनिया अधिक जुड़ी हुई लगी।

प्र.17. ने अमेरिका की आर्थिक स्थिति को कैसे बदला?

प्रथम विश्वयुद्ध से पहले अमेरिका खुद एक अंतरराष्ट्रीय देनदार था। युद्ध के दौरान ब्रिटन जैसे यूरोपीय देशों ने अमेरिकी बैंकों से भारी मात्रा में ऋण लिया। इससे अमेरिका की स्थिति पूरी तरह बदल गई। युद्ध के अंत तक अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा लेनदार () बन गया। 1923 तक वह विश्व का सबसे बड़ा वदेशी ऋणदाता था।

प्र.18. ब्रेटन वुड्स प्रणाली क्यों और कैसे ध्वस्त हुई?

1960 के दशक से अमेरिका के भारी वदेशी खर्चों — खासकर वयितनाम युद्ध — ने उसकी वित्तीय स्थिति कमजोर कर दी। डॉलर सोने के मुकाबले अपनी स्थिति कीमत नहीं बनाए रख सका। डॉलर में विश्वास घटने लगा। 1970 के दशक की शुरुआत में निश्चिंता वनिमिय दर प्रणाली ध्वस्त हो गई। देशों ने 'अस्थायी वनिमिय दर' () अपना ली।

प्र.19. भारतीय गरिमटिया मजदूरों ने वदिश में किस प्रकार का सांस्कृतिक योगदान दिया?

अनेक कठिनाइयों के बावजूद इन मजदूरों ने अपनी नई जन्मभूमि में सांस्कृतिक छाप छोड़ी। त्रिनिदाद में मुहर्रम जुलूस 'होसय' उत्सव बन गया जिसमें सभी धर्म और जातियाँ भाग लेती हैं। रास्तफारियनवाद () में भारतीय सांस्कृतिक संबंध देखते हैं। 'चटनी म्यूज़िक' — भारतीय और कैरिबियन संगीत का एक अनोखा मश्रण — इसी सांस्कृतिक मेल का उत्पाद है। वी. एस. नायपॉल इन्हीं मजदूरों के प्रसिद्ध वंशज हैं।

प्र.20. गाँधीजी ने 1931 में सविनय अवज्ञा आंदोलन क्यों शुरू किया?

1931 में भारत महामंदी की चपेट में था। गेहूँ की कीमतें 50% गरी गई थी, जूट किसान बर्बाद हो रहे थे और किसान गहरे कर्ज में डूब गए थे। फरि भी उपनिवेशी सरकार राजस्व में कोई कमी नहीं कर रही थी। गाँधीजी ने प्रसिद्ध नमक मार्च से ब्रिटिश सत्ता को चुनौती दी और उन करोड़ों भारतीयों को एकजुट किया जो आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। यह आंदोलन राजनीतिक के साथ-साथ आर्थिक विरोध भी था।

खण्ड इ — लघु उत्तरीय प्रश्न (लगभग 35 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उत्तर संक्षिप्त, सटीक और बटु पर रखिए। ये 2 अंक के प्रश्न हैं।

प्र.1. रेशम मार्ग क्या थे?

रेशम मार्ग प्राचीन व्यापारिक मार्गों का जाल था जो एशिया, यूरोप और उत्तरी अफ्रीका को जोड़ता था। इन पर रेशम, मसाले और धातुओं के साथ-साथ वचिर, धर्म और बीमारियाँ भी फैलती थीं। ये ईसाई युग से पहले भी अस्तित्व में थे।

प्र.2. अमेरिका से आए कनिही चार खाद्य पदार्थों के नाम लिखिए।

आलू, टमाटर, मरिच और मूंगफली — ये सब मूलतः अमेरिका के हैं। ये क्रिस्टोफर कोलंबस की यात्राओं के बाद लगभग 500 साल पहले यूरोप और एशिया पहुँचे। इससे पहले यूरोप में ये पदार्थ थे ही नहीं।

प्र.3. 'जैविक युद्ध' () से क्या तात्पर्य है?

यूरोपीय वज्रिता अमेरिका में चेचक जैसी बीमारियाँ लाए। मूल अमेरिकी निवासियों में इनके प्रति कोई प्रतिरोधक क्षमता नहीं थी। पूरी-पूरी बस्तियाँ तबाह हो गईं, जिससे स्पेनिश वज्रिय आसान हो गई।

प्र.4. मकई कानून () क्यों बनाए गए थे?

ब्रिटिश ज़मींदारों ने सस्ते वदेशी अनाज के आयात पर रोक लगवाई। इससे घरेलू अनाज की कीमतें ऊँची रहती थीं और उनकी आमदनी सुरक्षित थी। इनके समाप्त होने पर सस्ता आयात हुआ पर ब्रिटिश किसान बर्बाद हो गए।

प्र.5. रनिडरपेस्ट रोग ने अफ्रीका को कैसे प्रभावित किया?

1890 के दशक में रनिडरपेस्ट ने अफ्रीका के लगभग 90% मवेशी मार डाले। मवेशियों पर निर्भर अफ्रीकियों की आजीविका छिनी गई। उपनिवेशी नियोक्ताओं ने भारी कर लगाकर उन्हें मजबूरन मजदूरी करने पर विवश किया।

प्र.6. गरिमटिया श्रम क्या था? इसे 'नई गुलामी' क्यों कहते हैं?

गरिमटिया मजदूर 5 साल के अनुबंध पर वदेश जाते थे। काम की परिस्थितियाँ अत्यंत कठोर थीं, अधिकार नहीं थे और एजेंट धोखा देते थे। इन्हीं कूर हालातों के कारण इसे 'नई गुलामी' कहा गया।

प्र.7. हेनरी फोर्ड की असेम्बली लाइन क्या थी?

हेनरी फोर्ड की असेम्बली लाइन में मजदूर चलती बेल्ट पर एक ही काम बार-बार करते थे। इससे हर तीन मिनट में एक कार बनती थी। उत्पादन लागत घटी और कारें आम लोगों तक पहुँचीं। इसने विश्व में उत्पादन क्रांति ला दी।

प्र.8. 1929 की महामंदी क्या थी?

1929 की महामंदी एक भीषण वैश्विक आर्थिक संकट था जो मध्य 1930 के दशक तक चला। कृषि मूल्य गरी, बैंक डूबे, व्यापार आधा रह गया और बेरोजगारी बढ़ी। यह अत्यधिक उत्पादन, गरिती कीमतों और अमेरिका द्वारा ऋण वापसी से उत्पन्न हुई।

प्र.9. ब्रेटन वुड्स प्रणाली के मुख्य उद्देश्य क्या थे?

ब्रेटन वुड्स प्रणाली का उद्देश्य स्थिर वनिमिय दरें बनाए रखना और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देना था। व्यापार असंतुलन संभालता था और विश्व बैंक युद्धोत्तर पुनर्निर्माण के लिए। डॉलर सोने से जुड़ा था जिससे वैश्विक मौद्रिक स्थिरता मिली।

प्र.10. -77 कौन था और क्या है?

-77 सत्तर के दशक में 77 विकासशील देशों का समूह था। उन्होंने 'नई अंतरराष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था' () की माँग की — कच्चे माल के उचित मूल्य, प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण, विकास सहायता और विकसित देशों के बाजारों तक पहुँच।

प्र.11. प्रशीतति जहाजों ने वैश्विक व्यापार में क्या परिवर्तन लाया?

पहले जीवित पशुओं को जहाज से यूरोप ले जाया जाता था — कई रास्ते में मर जाते। प्रशीतति जहाजों से न्यूजीलैंड और अर्जेंटीना से सस्ता माँस यूरोप भेजा जाने लगा। इससे गरीब यूरोपीय भी माँस खा सके और जीवन स्तर सुधरा।

प्र.12. नश्चिति और अस्थायी वनिमिय दर में क्या अंतर है?

नश्चिति वनिमिय दर में सरकार मुद्रा का मूल्य तय करती है और वह नहीं बदलता। अस्थायी दर में बाजार की माँग-आपूर्ति के अनुसार मूल्य बदलता रहता है। ब्रेटन वुड्स में नश्चिति दर थी; आज अस्थायी दर प्रचलित है।

प्र.13. आयरलैंड का आलू अकाल क्या था? इससे क्या सीख मिलती है?

1840 के दशक में आलू की फसल में बीमारी आई। आयरलैंड के गरीब किसान पूरी तरह आलू पर निर्भर थे, इसलिए लाखों भूख से मर गए। इससे सीख मिलती है कि एक फसल पर अत्यधिक निर्भरता विनाशकारी हो सकती है।

प्र.14. ने अमेरिका की वित्तीय स्थितिको कैसे बदला?

से पहले अमेरिका खुद देनदार था। युद्ध के दौरान यूरोप ने अमेरिकी बैंकों से भारी ऋण लिया। युद्ध समाप्त होते-होते अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा लेनदार बन गया। 1923 तक वह सबसे बड़ा वदेशी ऋणदाता था।

प्र.15. भारतीय गरिमटिया मजदूरों ने वदिश में क्या सांस्कृतिक रूप बनाए?

इन मजदूरों ने अनोखी सांस्कृतिक परंपराएँ बनाईं। त्रनिदिद में मुहर्रम जुलूस 'होसय' उत्सव बन गया। 'चटनी म्यूज़िक' भारतीय-कैरिबियन संगीत का अनूठा मिश्रण है। वी. एस. नायपॉल इन्हीं के प्रसिद्ध वंशज हैं।

खण्ड फ — दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक / बोर्ड स्तर)

वसित्त उत्तर लखिए। जहाँ उचित हो, उपशीर्षक और बटुओं का उपयोग करे।

प्र.1. रेशम मार्गों ने प्राचीन विश्व को कसि प्रकार जोड़ा? क्या व्यापार होता था और ये ऐतहासकि रूप से क्यों महत्वपूर्ण थे?

रेशम मार्ग क्या थे?

रेशम मार्ग स्थलीय और समुद्री व्यापार मार्गों का एक जाल था जो एशिया, यूरोप और उत्तरी अफ्रीका को आपस में जोड़ता था। ये ईसाई युग से भी पहले अस्तित्व में थे और 15वीं सदी तक सक्रिय रहे।

क्या व्यापार होता था?

'रेशम मार्ग' नाम इसलए पड़ा क्योंकि चीनी रेशम पश्चिम की ओर ले जाया जाता था। लेकिन वास्तव में इन मार्गों पर वस्त्र, मसाले, सोना-चाँदी और चीनी मट्टी के बर्तन आते-जाते थे। बौद्ध भिक्षु, मुस्लिम प्रचारक अपने विचार और धर्म लेकर चलते थे। दुर्भाग्यवश बीमारियाँ भी इन्हीं मार्गों से फैलती थीं।

भारत की भूमिका

भारत इन मार्गों का केंद्रीय केंद्र था। भारतीय वस्त्र, मसाले और नील की वैश्विक माँग थी। भारत एक तरफ अरब और रोम को, दूसरी तरफ दक्षिण-पूर्व एशिया और चीन को जोड़ता था।

ऐतहासकि महत्व

रेशम मार्ग यह सिद्ध करते हैं कि वैश्वीकरण कोई आधुनिक आविष्कार नहीं है। सभ्यताएँ हमेशा से व्यापार, विचारों और संस्कृतियों के ज़रिए जुड़ी रही हैं। ये वैश्विक दुनिया का सबसे पुराना प्रमाण हैं।

प्र.2. यूरोपीय वजिय और बीमारियों ने अमेरिका के मूल निवासियों पर क्या प्रभाव डाला?

यूरोपीयों का आगमन

16वीं सदी में यूरोपीय सैनिक और व्यापारी अमेरिका पहुँचे। उनके पास बेहतर हथियार थे — बंदूकें, तलवारें और तोपें। लेकिन उनका सबसे घातक हथियार धातु का नहीं था — वह अदृश्य था।

जैविक युद्ध

यूरोपीय अपने साथ चेचक, खसरा और इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारियाँ लाए। अमेरिकी मूल निवासी सदियों से अलग-थलग थे और इन रोगों के प्रति बिल्कुल असुरक्षित थे। ये बीमारियाँ तेजी से फैलीं और पूरी-पूरी बस्तियाँ उजड़ गईं।

वजिय आसान हो गई

चेचक ने स्पेनशि बंदूकों से कहीं अधिक अमेरिकी निवासियों को मारा। एज़टेक और इंका जैसे महान साम्राज्य सैन्य बल से नहीं, बल्कि जनसंख्या के भारी नुकसान से कमजोर हुए। स्पेनशि चेचक से काफी हद तक सुरक्षित थे।

बहुमूल्य धातुएँ

वजिय के बाद स्पेनशि ने पेरू और मेक्सिको से भारी मात्रा में चाँदी निकाली। सोने के शहर 'एल डोराडो' की कविदंतियों ने और भी अभियानों को प्रेरित किया। ये धातुएँ यूरोप पहुँचीं और वैश्विक व्यापार को नया रूप दिया।

सीख

यह घटनाक्रम दर्शाता है कि बीमारी, शक्ति और अर्थव्यवस्था मलिकर पूरी दुनिया को कैसे बदल सकती हैं। यह उपनिवेशी महत्वाकांक्षा की भारी मानवीय कीमत है।

प्र.3. 19वीं सदी की अर्थव्यवस्था के तीन प्रवाहों को समझाइए। इन्होंने विश्व को कैसे बदला?

भूमिका

19वीं सदी तक विश्व अर्थव्यवस्था तीन मुख्य 'प्रवाहों' के जरिए गहराई से परस्पर जुड़ चुकी थी — व्यापार, श्रम और पूँजी। ये तीनों आपस में इतने जुड़े थे कएक के बिना दूसरा नहीं चलता।

1. व्यापार

माल का आदान-प्रदान अभूतपूर्व पैमाने पर हुआ। रूस, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया का गेहूँ यूरोपीय शहरों को खलाने लगा। भारत और अमेरिका की कपास ब्रिटिश मलियों को मली। 1820-1914 के बीच विश्व व्यापार 25 से 40 गुना बढ़ा।

2. श्रम

लगभग 5 करोड़ लोग 19वीं सदी में यूरोप से अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया गए। भारतीय और चीनी मजदूर कैरिबियन, मॉरीशस और दक्षिण-पूर्व एशिया के बागानों और खानों में काम करने गए।

3. पूँजी

लंदन जैसे वित्तीय केंद्रों से पैसा अर्जेंटीना, भारत और ऑस्ट्रेलिया में रेलवे और नए खेतों के लिए आया। बिना इस नविश के व्यापार और श्रम का वसितार संभव नहीं होता।

विश्व का रूपांतरण

इन तीनों प्रवाहों ने मलिकर 1890 तक एक वैश्विक कृषि-अर्थव्यवस्था बना दी। ब्रिटन में खाई जाने वाली रोटी का गेहूँ पंजाब में उगता, रेलवे से बंदरगाह पहुँचता, जहाज से ब्रिटन जाता — इतनी लंबी आपूर्ति श्रृंखला! दुनिया गहराई से परस्पर निर्भर हो गई।

प्र.4. 19वीं सदी की वैश्विक अर्थव्यवस्था को आकार देने में प्रौद्योगिकी की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए।

भूमिका

प्रौद्योगिकी अपने आप नहीं आई — यह उपनिवेशवाद, औद्योगीकरण और नए बाजारों की माँग से प्रेरित थी। तीन प्रौद्योगिकियों विशेष रूप से परिवर्तनकारी रहीं।

1. रेलवे

रेलवे ने खेतों को बंदरगाहों से जोड़ा। भारत में पंजाब नहर उपनिवेशों से गेहूँ और कपास रेल से बंदरगाहों तक पहुँचती थी। अर्जेंटीना और अमेरिका में विशाल नए खेत रेलवे के आने के बाद ही उत्पादक बने।

2. भाप से चलने वाले जहाज

स्टीमशिप ने महासागर पार करना सस्ता और तेज बनाया। ये अनाज और कोयले जैसे भारी माल का परिवहन कफायती तरीके से कर सकते थे।

3. प्रशीतन ()

शायद सबसे अनोखा आविष्कार प्रशीतित जहाज था। पहले जीवित पशुओं को यूरोप भेजा जाता था। प्रशीतित जहाजों ने माँस को न्यूजीलैंड या अर्जेंटीना में काटकर, जमाकर, सस्ते में यूरोप पहुँचाना संभव किया। गरीब यूरोपीय भी माँस खाने लगे।

4. टेलीग्राफ

टेलीग्राफ ने व्यापारियों और बैंकों को महाद्वीपों के पार लगभग तुरंत संवाद करने की सुविधा दी।

निष्कर्ष

प्रौद्योगिकी और उपनिवेशवाद साथ-साथ चले। उपनिवेशी सरकारों ने संसाधन कुशलतापूर्वक निकालने के लिए रेलवे, बंदरगाह और टेलीग्राफ लाइनें बनाईं। प्रौद्योगिकी तटस्थ नहीं थी — यह आर्थिक और साम्राज्यवादी उद्देश्यों की सेवा करती थी।

प्र.5. गरिमटिया श्रम प्रणाली क्या थी? इसकी उत्पत्ति, परिस्थितियों और सांस्कृतिक प्रभाव का वर्णन कीजिए।

उत्पत्ति

1833 में दासता समाप्त होने के बाद ब्रिटिश बागान मालिकों को सस्ते श्रम की जरूरत थी। उन्होंने भारत की ओर रुख किया। एजेंट मुख्यतः पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य भारत और तमिलनाडु के गरीब मजदूरों को 5 साल के अनुबंध पर भर्ती करते थे।

कौन गए और क्यों

मजदूर अत्यधिक गरीबी, सूखे और भूमहीनता के कारण गए। एजेंट अक्सर काम की प्रकृति और परिस्थितियों के बारे में झूठ बोलते थे।

परिस्थितियाँ — शोषणकारी

बागान पर पहुँचकर मजदूरों को असलियत का पता चलता। रहने-खाने की स्थितियाँ बदतर थीं, काम के घंटे बहुत लंबे थे और अधिकार लगभग नहीं थे। भागने की कोशिश करने पर कड़ी सज़ा मिलती। इसीलिए इसे 'नई गुलामी' कहते हैं।

प्रतिरोध और सृजनशीलता

कठिनाइयों के बावजूद मजदूरों ने अपनी संस्कृति को बचाए रखा। त्रिनिदाद में मुहर्रम 'होसय' उत्सव बना — सभी जाति-धर्म के लोग शामिल होते हैं। 'चटनी म्यूज़िक' एक नया सांस्कृतिक रूप बना। ये जीवित रहने के तरीके थे।

अंत

भारतीय राष्ट्रवादी नेताओं के दबाव में 1921 में यह प्रणाली समाप्त हुई। नोबेल विजेता वी. एस. नायपॉल और वेस्ट इंडीज के क्रिकेटर शविनारायण चंद्रपॉल इन्हीं मजदूरों के प्रसिद्ध वंशज हैं।

प्र.6. 1929 की महामंदी के कारण और परिणाम क्या थे?

भूमिका

1929 की महामंदी आधुनिक इतिहास का सबसे भीषण आर्थिक संकट था। यह अमेरिका में शुरू होकर पूरे विश्व में फैल गई।

कारण 1 — कृषि में अत्यधिक उत्पादन

के दौरान और बाद में कनाडा, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और पूर्वी यूरोप ने खाद्य उत्पादन बड़े पैमाने पर बढ़ाया। 1920 के अंत तक बाजार में भारी अधिशेष था। कीमतें गरिने लगीं, किसानों की आमदनी धराशायी हो गई।

कारण 2 — अमेरिका द्वारा ऋण वापसी

1920 के दशक में कई यूरोपीय देशों ने अमेरिका से ऋण लिया था। 1928 में अमेरिका ने ये ऋण वापस लेने शुरू किए। यूरोपीय बैंक डूबने लगे। ब्रिटिश पाउंड ध्वस्त हो गया।

अमेरिका में परिणाम

1933 तक 4000 से अधिक बैंक बंद हुए। 1932 में 1,10,000 कंपनियाँ दिवालिया हुईं। लाखों लोगों ने घर, खेत और नौकरी खोईं। बेरोजगारी वनिशकारी स्तर पर पहुँची।

भारत में परिणाम

भारत का आयात-निर्यात 1928-1934 के बीच आधा हो गया। गेहूँ की कीमतें 50% गरीं। बंगाल के जूट किसानों की कच्चे जूट की कीमत 60% से अधिक गरी गई। 1931 में गाँधीजी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू किया।

राजनीतिक परिणाम

महामंदी ने यूरोप में राजनीतिक उग्रवाद को बढ़ावा दिया जो अंततः द्वितीय विश्वयुद्ध का कारण बना। आर्थिक तबाही ने लाखों लोगों को चरमपंथी नेताओं की ओर धकेला।

प्र.7. ब्रेटन वुड्स प्रणाली की मुख्य विशेषताएँ और उपलब्धियाँ क्या थीं?

पृष्ठभूमि

की तबाही के बाद विश्व नेताओं ने ऐसी अंतरराष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था बनाने की कोशिश की जो अन्तरयुद्ध काल की अव्यवस्था — महामंदी और वित्तीय अस्थिरता — की पुनरावृत्ति रोके।

सम्मेलन (जुलाई 1944)

44 देशों के प्रतिनिधि ब्रेटन वुड्स, न्यू हैम्पशायर में मिले और वैश्विक अर्थव्यवस्था के नए ढाँचे पर सहमत हुए।

मुख्य संस्थाएँ

(अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष): व्यापार असंतुलन प्रबंधन के लिए। विश्व बैंक (I): युद्धोत्तर पुनर्निर्माण के वित्तपोषण के लिए।

नश्चिति वनिमिय दरें

सभी राष्ट्रीय मुद्राएँ अमेरिकी डॉलर से जुड़ीं। डॉलर सोने से — 35 प्रति औंस। इससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार में स्थिरता और पूर्वानुमानशीलता आई।

उपलब्धियाँ — स्वर्ण युग

1950-1970 के बीच विश्व व्यापार 8% प्रतिवर्ष बढ़ा। आय लगभग 5% सालाना बढ़ी। अधिकांश औद्योगिक देशों में बेरोजगारी 5% से कम रही। यह 'स्वर्ण युग' था।

सीमाएँ

यह व्यवस्था औद्योगिक देशों के लिए बनाई गई थी। विकासशील देशों को लगा यह उनकी जरूरतें नहीं पूरी करती। अमेरिका को प्रभावी 'वीटो पावर' थी।

प्र.8. 19वीं सदी में भारत की वैश्विक अर्थव्यवस्था में क्या स्थिति थी? उपनिवेशवाद ने इसे कैसे आकार दिया?

भारत एक व्यापारिक राष्ट्र के रूप में

ऐतिहासिक रूप से भारत यूरोप और पश्चिम एशिया को बढ़िया सूती वस्त्र निर्यात करता था। चेट्टियार और श्राँफ जैसे भारतीय व्यापारी दक्षिण-पूर्व एशिया, अरब और पूर्वी अफ्रीका तक फैले थे।

ब्रिटिश औद्योगिकीकरण का प्रभाव

जब ब्रिटेन में औद्योगिकीकरण हुआ तो ब्रिटिश निरमाताओं ने सरकार पर दबाव डाला। भारतीय वस्त्रों पर भारी आयात शुल्क लगा दिए गए। 1800 में भारत का सूती वस्त्र निर्यात में हिस्सा 30% था जो 1870 तक 3% से भी कम हो गया।

कच्चे माल की ओर बदलाव

भारत को कच्चा माल निर्यात करने और निर्मित माल आयात करने की भूमिका में धकेल दिया गया। कच्ची कपास का निर्यात 5% से 35% हो गया। भारत नील और अफीम भी निर्यात करता था। ब्रिटेन भारत में उगाई अफीम चीन को बेचता था — यह एक क्रूर व्यापार तंत्र था।

व्यापार अधिेश की भूमिका

भारत का ब्रिटन के साथ व्यापार अधिषिष () था। ब्रिटन इस अधिषिष से अन्य देशों के साथ अपना व्यापार घाटा पूरा करता था। भारत का अधिषिष ब्रिटिश अधिकारियों के वेतन ('होम चार्जेस') चुकाने में भी काम आता था।

पंजाब नहर उपनविश

ब्रिटिश भारत सरकार ने पश्चिम पंजाब में सचिाई नहरे बनाई और अर्ध-रेगसितानी जमीन को खेती योग्य बनाया। यहाँ नरियात के लिए गेहूँ और कपास उगाई गई। यह उपनविशवाद का आर्थिक चेहरा था — भारत के संसाधनों का उपयोग ब्रिटन के फायदे के लिए।

पर.9. प्रथम विश्वयुद्ध ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को कैसे प्रभावित किया?

वनिश का पैमाना

(1914-1918) पहला आधुनिक औद्योगिक युद्ध था। मशीनगन, टैंक, विमान और रासायनिक हथियार बड़े पैमाने पर बनाए गए। लगभग 90 लाख लोग मारे गए, 2 करोड़ घायल हुए। यूरोप की अर्थव्यवस्थाएँ तबाह हो गईं।

नई आर्थिक भूगोल

युद्ध से पहले ब्रिटन प्रमुख अर्थव्यवस्था था। युद्ध के दौरान ब्रिटन ने अमेरिकी बैंकों से भारी उधार लिया। अमेरिका देनदार से लेनदार बन गया।

वैश्विक व्यापार की बाधा

लड़ने वाले देश आपस में सामान्य रूप से व्यापार नहीं कर सकते थे। दशकों में बने व्यापारिक संबंध टूट गए। जापान और भारत ने यूरोपीय निर्माताओं की जगह लेने के लिए अपने उद्योग विकसित किए।

सामाजिक परिवर्तन

लाखों पुरुष मोर्चे पर होने से महिलाएँ बड़ी संख्या में कार्यबल में शामिल हुईं। इसने सामाजिक मानदंड स्थायी रूप से बदले।

युद्धोत्तर कठिनाइयाँ

युद्ध समाप्त होने पर उत्पादन घटा, बेरोजगारी बढ़ी। 1921 तक प्रत्येक 5 में से 1 ब्रिटिश मजदूर बेरोजगार था। कृषिसंकट और वित्तीय अस्थिरता ने अंततः 1929 की महामंदी की नींव रखी।

पर.10. ब्रेटन वुड्स प्रणाली के उदय और पतन तथा आधुनिक वैश्वीकरण के उभरने की कहानी का वर्णन कीजिए।

जन्म — 1944

ब्रेटन वुड्स प्रणाली की तबाही के बाद जन्मी। नेताओं ने माना कि अन्तरयुद्ध काल की अस्थिरता — महामंदी और उसके परिणाम — ने युद्ध को जन्म दिया। 1944 में एक स्थािर अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक ढाँचा बनाया गया।

स्वर्ण युग (1950-1970)

यह व्यवस्था दो दशकों तक बहुत अच्छी तरह काम की। विश्व व्यापार 8% प्रतिवर्ष बढ़ा। आय 5% सालाना बढ़ी। औद्योगिक विश्व 'स्वर्ण युग' में था — कम बेरोजगारी, बढ़ता जीवन स्तर।

दबाव

1960 के दशक से प्रणाली कमजोर होने लगी। अमेरिका के भारी विदेशी खर्च — खासकर वियतनाम युद्ध — ने उसकी वित्तीय स्थिति बिगाड़ दी। डॉलर सोने के मुकाबले अपना मूल्य नहीं बनाए रख सका।

पतन

निश्चिति वनिमिय दर प्रणाली 1970 के दशक में ध्वस्त हो गई। देश अस्थायी वनिमिय दर की ओर चले गए।

बहुराष्ट्रीय नगिर्णों () का उदय

1950-60 के दशक से बहुराष्ट्रीय कंनरिर्णों वशिवर मे फैलने लगीं। चीन 1949 की क्रांति के बाद अलग था; 1980-90 के दशक मे वशिव अर्थव्यवस्था मे वापस आया और अपनी वशिल, सस्ती श्रम शक्ति से नविश को आकर्षति कयिा।

आधुनकि वैश्वीकरण

आज का वैश्वीकरण इस लंबे इतहिास का परणिां है — रेशम मार्गों और उपनविशी व्यापार से लेकर ब्रेटन वुड्स युग और उसके बाद तक। भारत, एक समय जो उपनविशी अर्थव्यवस्था था, आज प्रौद्योगिकी, सेवाओं और उत्पादन मे एक प्रमुख खलिाड़ी है। जैसा प्रयिा ने कहा — 'भारत हमेशा से वशिव अर्थव्यवस्था का हसिा था; बस जुड़ाव के तरीके बदलते रहे।'

त्वरति पुनरावृत्ति— मुख्य तथियाँ एवं तथ्य

तथि/ काल	घटना / तथ्य
3000 ई.पू.	—
15वीं सदी	; (1492)
1840 का दशक	—
1885	—
1890 का दशक	90%
1890	
1914-1918	—
1920 का दशक	—
1921	
1923	
1929	(Great Depression)
1931	()
1939-1945	— 60
1944	— IMF
1950-1970	— 8%; 5%
1970 का दशक	; ;
1980-90 का दशक	; ;

परीक्षा में सफलता की शुभकामनाएँ! याद रखिए — इतिहास केवल तथियों और घटनाओं का नहीं, बल्कि यह समझने का वषिय है कि आज की दुनिया कैसे बनी।

— ओम सकिरवार | . —

